



Hargharpanditji

॥ शुक्रवार व्रत का ज्योतिषीय कारण ॥

॥ ॐ श्रीं ह्रीं श्रीं महालक्ष्म्यै नमः ॥

FULL DISCLAIMER

This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.

This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.

Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.

Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.

Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS
AT YOUR DOOR"

॥ शुक्रवार व्रत का ज्योतिषीय कारण ॥

ज्योतिष शास्त्र में शुक्रवार का दिन शुक्र ग्रह को समर्पित माना जाता है। शुक्र ग्रह को प्रेम, विवाह, सौंदर्य, कला, भौतिक सुख, ऐश्वर्य, आकर्षण और समृद्धि का कारक माना जाता है। इसलिए शुक्रवार को व्रत और पूजा करने का उद्देश्य शुक्र ग्रह को शुभ एवं मजबूत करना तथा माता लक्ष्मी की कृपा प्राप्त करना माना जाता है।

शुक्रवार व्रत रखने के प्रमुख ज्योतिषीय कारण

शुक्र ग्रह को मजबूत करना

यदि जन्म कुंडली में शुक्र कमजोर, अस्त, नीच या पाप ग्रहों से पीड़ित हो, तो ज्योतिषीय मान्यता के अनुसार शुक्रवार का व्रत और शुक्र मंत्र का जाप किया जाता है।

वैवाहिक जीवन में सुधार

शुक्र को विवाह, प्रेम और दांपत्य सुख का कारक माना जाता है। इसलिए वैवाहिक जीवन में तनाव या प्रेम संबंधों में बाधा होने पर शुक्र की उपासना की जाती है।

धन और ऐश्वर्य की प्राप्ति

शुक्र भौतिक सुख-सुविधाओं और ऐश्वर्य से संबंधित माना जाता है। शुक्रवार को माता लक्ष्मी की पूजा आर्थिक समृद्धि की कामना से की जाती है।

प्रेम और संबंधों में मधुरता

शुक्र प्रेम, आकर्षण और संबंधों का प्रतिनिधित्व करता है। शुक्रवार व्रत को रिश्तों में प्रेम और सौहार्द बढ़ाने की साधना के रूप में भी देखा जाता है।

कला और रचनात्मकता में उन्नति

शुक्र का संबंध संगीत, नृत्य, कला, सौंदर्य, डिजाइन और रचनात्मक प्रतिभा से माना जाता है। कलाकारों और रचनात्मक क्षेत्रों से जुड़े लोग शुक्र की उपासना करते हैं।

शुक्र की महादशा या अंतरदशा में

यदि किसी व्यक्ति की कुंडली में शुक्र की दशा चल रही हो और शुक्र शुभ फल देने की स्थिति में न हो, तो ज्योतिषीय उपाय के रूप में शुक्रवार व्रत सुझाया जा सकता है।

शुक्र से संबंधित दोषों की शांति

कुंडली में शुक्र पर अशुभ ग्रहों का प्रभाव होने पर शुक्रवार को सफेद वस्तुओं का दान, लक्ष्मी पूजा और शुक्र मंत्र का जाप करने की परंपरा है।

शुक्रवार का प्रमुख शुक्र मंत्र

ॐ द्रां द्रीं द्रौं सः शुक्राय नमः॥

सरल मंत्र:

ॐ शुक्राय नमः॥

माता लक्ष्मी के लिए: